एशिया कप 2025

सुपर फोर में बांग्लादेश के खिलाफ लय बरकरार रखने उतरेगा भारत

- पाक को हराकर आत्मविश्वास से उतरेगा भारत
- गिल-अभिषेक की सलामी जोड़ी से बढ़ी उम्मीदें

दुबई, 23 सितंबर. एशिया कप 2025 के सुपर फोर मुकाबले में भारत बुधवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ उतरेगा. सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाने के लिए तैयार है. दोनों टीमें इस चरण में अपनी शुरुआती जीत के साथ आत्मविश्वास से भरी हैं.

भारत ने रविवार को पाकिस्तान को छह विकेट से हराया, जबकि बांग्लादेश ने शनिवार को श्रीलंका को चार विकेट से मात दी. भारत का बांग्लादेश के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार रहा है, जिसमें 17 टी20 मुकाबलों में 16 जीत शामिल हैं. बांग्लादेश की एकमात्र जीत 2019 में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मिली थी.

इस टूर्नामेंट में अब तक भारत को ज्यादा चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा. पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में साहिबजादा फरहान और सैम आयूब की 72 रनों की साझेदारी ने भारतीय खेमे में थोड़ी चिंता बढ़ाई थी, लेकिन गेंदबाजों ने शानदार वापसी की. खास तौर पर शिवम दुबे ने फरहान और सैम के महत्वपूर्ण विकेट लिए. सूर्यकुमार ने दुबे की तारीफ करते हुए कहा, उनका स्पेल टर्निंग पॉइंट था. उन्होंने नेट्स में गेंदबाजी पर कड़ी मेहनत की है और चार ओवर डालकर अपनी योजना को बखूबी लागू किया.

बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने पाकिस्तान के खिलाफ 105 रनों की सलामी साझेदारी कर भारत को आसान जीत दिलाई. गिल की शैली में परंपरागत और आक्रामकता का मिश्रण दिखता है, जबकि अभिषेक गेंद को बेरहमी से मारने के लिए जाने जाते हैं.

क्या बांग्लादेश रचेगा इतिहास?

2007 वनडे विश्व कप को छोड़कर, बांग्लादेश बड़े मौकों पर भारत को परेशान नहीं कर पाया है. क्या इस बार वे इतिहास रच पाएंगे? यह मुकाबला निश्चित रूप से रोमांचक होने की उम्मीद है.

भारत की संभावित प्लेइंग XI

अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन/जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती

बांग्लादेश की संभावित प्लेइंग XI

सैफ हसन, तंजीद हसन तमीम, लिटन दास (कप्तान और विकेटकीपर), तौहीद हृदोय, शमीम हुसैन, जेकर अली, महेदी हसन, नसुम अहमद, तस्कीन अहमद, शरीफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान

बांग्लादेश की उम्मीदें

बांग्लादेश के लिए भारत की बल्लेबाजी को रोकना बड़ी चुनौती होगी. तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान पर इस जिम्मेदारी का बड़ा दारोमदार होगा. हाल के मैचों में उन्होंने श्रीलंका और अफगानिस्तान के खिलाफ लगातार तीन-तीन विकेट लिए हैं. बल्लेबाजी में कप्तान लिटन दास, सैफ हसन और तौहीद हृदोय को बेहतर प्रदर्शन करना होगा. श्रीलंका के खिलाफ जीत में सैफ और लिटन ने दूसरी विकेट के लिए 59 रन जोड़े, जबकि हृदोय के साथ सैफ की 44 रनों की साझेदारी ने बांग्लादेश को लक्ष्य तक पहुंचाया. बांग्लादेश के कोच फिल सिमंस ने आत्मविश्वास जताते हुए कहा, हर टीम भारत को हरा सकती है. खेल उस दिन के प्रदर्शन पर निर्भर करता है. हम भारत की रणनीति में गलतियां कराने की कोशिश करेंगे.

सबसे ज्यादा बेस प्राइस पर उतरे अश्विन

1.20 लाख डॉलर बेस प्राइस आर अश्विन का | **24** भारतीय समेत 800 खिलाड़ी शामिल हुए नीलामी में

- पहली विदेशी टी20 लीग खेलने को तैयार
- 2 दिसंबर से 4 जनवरी तक होगा टूर्नामेंट

दुबई, 23 सितम्बर (वार्ता) संन्यास ले चुके भारतीय क्रिकेटर आर अश्विन ने पहली आईएलटी20 नीलामी में अपना बेस प्राइस 1 लाख 20 हजार अमेरिकी डॉलर (लगभग एक करोड़ छह लाख रुपए) रखा है, जो किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे ज्यादा है. यह नीलामी 1 अक्टूबर को दुबई में होगी.

हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल से संन्यास लेने वाले अश्विन, आईएलटी20 नीलामी की लंबी सूची में एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका बेस प्राइस सात अंकों में हैं. अगर उन्हें चुना जाता है, तो आईएलटी20 उनकी पहली विदेशी टी20 लीग होगी.

39 वर्षीय अश्विन उन 24 भारतीयों में शामिल हैं जो नीलामी की लंबी सूची में हैं, जिसमें अभी तक लगभग 800 खिलाड़ी शामिल हैं. आईएलटी20 को हर फ्रेंचाइजी से विश लिस्ट मिलने के बाद इस हफ्ते अंतिम सूची तैयार की जाएगी. आईएलटी20 का चौथा संस्करण 2 दिसंबर से 4 जनवरी के बीच खेला जाएगा, जिसमें छह टीमें शामिल हैं. अश्विन ने टूर्नामेंट के लिए पूरी उपलब्धता दर्ज कराई है, जिसके बाद उनके बीबीएल में जाने की संभावना है, जहां चार टीमों ने सीजन के उत्तरार्ध के लिए उन्हें टीम में शामिल करने में रुचि दिखाई है.

आईएलटी20 फ्रेंचाइजियों ने जुलाई में अपने रिटेंशन और सीधे साइनिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली थी. प्रत्येक टीम रिटेंशन और सीधे साइनिंग पर 1.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक खर्च कर सकती है, शेष राशि 8 लाख अमेरिकी डॉलर की नीलामी राशि में जोड़ी जाएगी. एक फ्रेंचाइजी अपनी पूरी 20 लाख अमेरिकी डॉलर की राशि खर्च कर सकती है, लेकिन उसे कम से कम 15 लाख अमेरिकी डॉलर खर्च करने होंगे. आईएलटी20 के नियमों के अनुसार, फ्रेंचाइजी नीलामी के बाहर अधिकतम दो वाइल्डकार्ड खिलाड़ियों को खरीदने के लिए ढाई लाख अमेरिकी डॉलर अतिरिक्त खर्च कर सकती हैं.

> टीम संयोजन नियमों के अनुसार, प्रत्येक फ्रेंचाइजी को वाइल्डकार्ड को छोड़कर, कम से कम 19 और अधिकतम 21 खिलाड़ियों की आवश्यकता होती है. पूर्ण सदस्य देशों से कम से कम 11 खिलाड़ी, यूएई से चार, कुवैत से एक, सऊदी अरब से एक और अन्य एसोसिएट देशों से दो खिलाड़ी होने चाहिए. फ्रेंचाइजी के पास एक राइट-टू-मैच (आरटीएम) कार्ड भी होगा, लेकिन वे इसका इस्तेमाल केवल यूएई के किसी खिलाड़ी को वापस खरीदने के लिए कर सकते हैं. वह खिलाड़ी फ्रेंचाइजी की डेवलपमेंट टीम या 2025 की टीम का हिस्सा होना जरूरी है.

एक नजर में

पूर्व एफएनएल खिलाड़ी रूडी जॉनसन का निधन

नई दिल्ली. सिनसिनाटी बेंगल्स के पूर्व रनिंग बैक रूडी जॉनसन का 45 वर्ष की आयु में निधन हो गया है. एक पारिवारिक सदस्य ने टीएमजेड स्पोर्ट्स को उनके निधन की पुष्टि की है. हालांकि उनकी मृत्यु का सटीक कारण अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है. जॉनसन के करीबी सूत्रों के मुताबिक, वह लंबे समय से मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों और क्रॉनिक ट्रॉमाटिक एन्सेफैलोपैथी के लक्षणों से जूझ रहे थे, जिनसे वह पार नहीं पा सके. पूर्व एनएफएल खिलाड़ी का इस तरह अचानक निधन खेल जगत के लिए एक दुखद खबर है. जॉनसन ने अपने करियर में बेंगल्स के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया था. उनके निधन पर प्रशंसक और साथी खिलाड़ी सोशल मीडिया पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं.

सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट में दर्शकों को कार जीतने का मौका

जालंधर. अमेरिका स्थित एन.आर.आई. सतनाम सिंह संधू ने मंगलवार को सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट के दर्शकों के लिए हर साल अल्टो कार स्पॉन्सर करने की घोषणा की है. यह घोषणा आज यहां हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक के बाद की गई. बैठक में सुरजीत हॉकी सोसाइटी के प्रमुख सदस्यों ने हिस्सा लिया, जिनमें कार्यकारी अध्यक्ष लखविंदरपाल सिंह खैहरा, महासचिव सुरिंदर सिंह भापा, उपाध्यक्ष रमणीक सिंह रंधावा (चेयरमैन, इंप्रूवमेंट ट्रस्ट, जालंधर), सीईओ इकबाल सिंह संधू और सचिव रणबीर सिंह टुट शामिल थे. सतनाम सिंह संधू के साथ देश के प्रतिष्ठित सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की. जालंधर के स्टेट कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स के पूर्व छात्र तथा स्पोर्टमैन सतनाम सिंह संधू ने सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट के दर्शकों के लिए हर साल अल्टो कार स्पॉन्सर करने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि सुरजीत हॉकी देखो - अल्टो कार जीतो के आकर्षक नारे के तहत, यह पहल दर्शकों की उपस्थिति बढ़ाने और आयोजन में उत्साह जोड़ने का उद्देश्य रखती है. यह कार टूर्नामेंट में शामिल होने वाले एक भाग्यशाली दर्शक को दी जाएगी, जो आगामी 23 अक्टूबर से एक नवंबर, 2025 तक बर्लटन पार्क के सुरजीत हॉकी स्टेडियम में आयोजित होगा. संधू, जिनका महान ओलंपियन सूरजित सिंह के साथ गहरा संबंध था, ने खेल और समाज को वापस योगदान देने की इच्छा व्यक्त की.

सुपर कप फुटबॉल का आगाज 25 अक्टूबर से गोवा में होगा

- आईएसएल और आई-लीग क्लबों की भागीदारी तय

नयी दिल्ली, 23 सितंबर. भारतीय फुटबॉल के घरेलू सत्र का आगाज गोवा में 25 अक्टूबर से शुरू होने वाले सुपर कप से होगा. अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. ओडिशा एफसी को छोड़कर इंडियन सुपर लीग के सभी क्लबों ने इस टूर्नामेंट में भाग लेने पर सहमति जताई है. इन आईएसएल क्लबों के साथ चार आई-लीग टीमें (इंटर काशी, रीयल कश्मीर, गोकुलम केरल एफसी और राजस्थान यूनाइटेड) भी शामिल होंगी.

टूर्नामेंट का ड्रॉ बृहस्पतिवार को ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा. सुपर कप आम तौर पर सत्र के आखिर में होने वाला टूर्नामेंट रहा है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों के कारण इस बार इसका आयोजन सत्र की शुरुआत में होगा. एआईएफएफ ने क्लबों को बताया है कि सुपर कप जीतने वाली टीम को 2026-27 सत्र के लिए एएफसी चैंपियंस लीग 2 प्ले-ऑफ में जगह दी जाएगी. इसके लिए हालांकि संबंधित टीम के पास 2026-27 सत्र के लिए भारतीय क्लब लाइसेंसिंग नियमों के तहत प्रीमियर एक लाइसेंस होना चाहिए. एआईएफएफ और शीर्ष घरेलू लीग आईएसएल के आयोजक 'फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड' के बीच 'मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए)' के नवीनीकरण से संबंधित मुद्दों के कारण इस लीग के आयोजन को रोक दिया गया है.

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए टीम का चयन आज

अहमदाबाद में 2 अक्टूबर से शुरू होगी टेस्ट सीरीज

- क्या भारत वेस्ट इंडीज के खिलाफ बुमराह को आराम देगा
- बुमराह के वर्कलोड और फिटनेस पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 23 सितम्बर. बुधवार को भारत वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन करेगा, जो 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगी.

यह चयन भ्रामक रूप से पेचीदा है, क्योंकि भारत पहली बार आर अश्विन के संन्यास का पूरा असर महसूस करने वाला है (उन्होंने अपने करियर के दौरान भारत के 65 घरेलू टेस्ट मैचों में से एक भी नहीं छोड़ा), जसप्रीत बुमराह के कार्यभार को अभी भी प्रबंधित करने की आवश्यकता है, और पिछले साल न्यूजीलैंड से मिली अप्रत्याशित, अभूतपूर्व 3-0 की हार से जुड़े सवाल अभी भी मंडरा रहे हैं. यहां कुछ ऐसे सवाल हैं जिनका जवाब अजीत अगरकर की चयन समिति को देना होगा.

अश्विन की कमी: अनुभवी स्पिनर आर अश्विन के संन्यास के बाद यह पहली घरेलू सीरीज होगी. अपने करियर में 65 घरेलू टेस्ट मैचों में से एक भी नहीं छोड़ने वाले अश्विन की जगह कौन लेगा, यह देखना होगा. रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल जैसे स्पिनरों से मजबूत आक्रमण की उम्मीद है.

चयन समिति के सामने प्रमुख सवाल

जसप्रीत बुमराह का चयन- सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या जसप्रीत बुमराह को टीम में शामिल किया जाएगा या उन्हें आराम दिया जाएगा? बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पिछली सीरीज में पांच में से केवल तीन टेस्ट खेले थे, और उनकी पीठ की चोटों को देखते हुए उनके वर्कलोड को मैनेज करना जरूरी है. एशिया कप फाइनल के बाद तुरंत यह सीरीज शुरू हो रही है, जिससे उनके खेलने की संभावना पर संदेह है. हालांकि, भारत के गेंदबाजी संसाधनों की वर्तमान स्थिति को देखते हुए उनकी अनुपस्थिति टीम को कमजोर कर सकती है.

> **पिच और तेज गेंदबाजी:** पिछले साल न्यूजीलैंड से मिली 3-0 की हार ने भारतीय टीम प्रबंधन को पिचों के प्रकार पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर किया है. संभावना है कि चौकोर टर्न वाली पिचों की बजाय सपाट पिचों पर ध्यान केंद्रित किया जाए, जहां बड़े स्कोर बन सकें. अगर ऐसा होता है, तो तेज गेंदबाजों की भूमिका बढ़ जाएगी.
>
> **युवा तेज गेंदबाजों का अनुभव:** सिराज और आकाश दीप ने मिलकर केवल 19 घरेलू टेस्ट खेले हैं, और प्रसिद्ध कृष्णा ने अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है. ऐसे में, अनुभवहीन तेज गेंदबाजी आक्रमण को संभालना टीम के लिए एक बड़ी चुनौती हो सकती है. बुमराह की मौजूदगी इस कमी को पूरा कर सकती है.

श्रीजेश की नजरें सीनियर टीम कोचिंग पर

वर्तमान में जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच

नई दिल्ली, 23 सितम्बर. भारतीय हॉकी के दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा है कि वह अगले पांच साल में सीनियर राष्ट्रीय हॉकी टीम के मुख्य कोच बनने का अपना सपना पूरा करने की उम्मीद करते हैं.

वर्तमान में जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच के रूप में काम कर रहे श्रीजेश का मानना है कि जूनियर खिलाड़ियों के साथ काम करते हुए उन्हें आवश्यक अनुभव और परिपक्वता मिलेगी.

> श्रीजेश ने कहा, कोचिंग मेरे लिए एक नया क्षेत्र है. मैंने 25 साल हॉकी खेली है, इसलिए जूनियर स्तर मेरे लिए सीखने का सबसे सही स्थान है. सब-जूनियर स्तर पर काम करने के लिए मुझमें धैर्य की कमी है, जहाँ खिलाड़ियों को बुनियादी बातें सिखाई जाती हैं. उन्होंने आगे कहा, एक खिलाड़ी से कोच बनना एक बड़ा बदलाव है. मुझे लगता है कि जूनियर स्तर सबसे अच्छा मंच है जहाँ मैं बहुत कुछ सीख सकता हूँ.

हुसैन ने गोलकोंडा मास्टर्स में बढ़त बनाई

हैदराबाद. बांग्लादेश के गोल्फर जमाल हुसैन ने तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स के पहले दिन मंगलवार को नौ-अंडर 61 का शानदार कार्ड खेलकर एक शॉट की बढ़त ले ली है. चंडीगढ़ के गोल्फर अक्षय शर्मा आठ-अंडर 62 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर हैं. पीजीटीआई के पांच बार के विजेता हुसैन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नौ बर्डी लगायी. 40 साल का यह खिलाड़ी पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 14वें स्थान पर है.

यूकी भांबरी ने यूएस ओपन डबल्स में किया धमाका

- चोटों के बावजूद करियर का पहला ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल
- माइकल वीनस के साथ 11 साल बाद हुई जोड़ी की वापसी

मुंबई, 23 सितम्बर. भारतीय टेनिस खिलाड़ी यूकी भांबरी ने चोटों से जूझने के बाद शानदार वापसी करते हुए अमेरिकी ओपन में अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम डबल्स सेमीफाइनल खेला. 33 वर्षीय भांबरी के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है, जो एक समय संन्यास लेने के कगार पर थे.

अपने करियर में लगातार चोटों से परेशान रहे भांबरी के लिए यह यात्रा आसान नहीं थी. कोर्ट पर वह आज भी कोहनी, टखनों और घुटने पर पट्टियां बांधकर खेलते हैं. उन्होंने कहा, ये मेरे रैकेट जितने ही जरूरी हैं.

पहले एकल खिलाड़ी के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले भांबरी को चोटों के कारण युगल (डबल्स) पर ध्यान केंद्रित करना पड़ा. लेकिन उन्होंने यहाँ भी अपनी जगह बनाई और खुद को साबित किया. न्यूयॉर्क में न्यूजीलैंड के माइकल वीनस के साथ जोड़ी बनाकर उन्होंने यूएस ओपन के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया.

> दिलचस्प बात यह है कि भांबरी ने 11 साल बाद वीनस के साथ वापसी की. दोनों पहले भी 2014 के ऑस्ट्रेलियन ओपन में एक साथ खेले थे. भांबरी ने बताया कि इतने सालों बाद एक साथ खेलने के बाद उन्हें तालमेल बिठाने में थोड़ा समय लगा. उन्होंने कहा, वाशिंगटन डीसी में हमारे पहले मैच में, कुछ साधारण गेंदों पर भी हम तय नहीं कर पा रहे थे कि किसकी गेंद है. हालांकि, घंटों अभ्यास के बाद उनकी मेहनत रंग लाई.

तैयारियों का जायजा | डॉ. मांडविया ने जेएलएन स्टेडियम का निरीक्षण किया

दिल्ली में पहली बार पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप

- 100 देशों के पैरा-एथलीट करेंगे हिस्सा
- मेजबान भारत से 73 खिलाड़ी उतरेंगे मैदान में
- नई सुविधाओं और मोंडो ट्रैक का हुआ परीक्षण

नयी दिल्ली, 23 सितंबर (वार्ता) राजधानी में पहली बार आयोजित होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में अब केवल दो दिन शेष हैं. केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने मंगलवार को जवाहर लाल नेहरू (जेएलएन) स्टेडियम का दौरा किया और इस प्रमुख आयोजन की अंतिम तैयारियों का जायजा लिया.

यह इतने बड़े पैमाने पर वैश्विक प्रतियोगिताओं का आयोजन करने की भारत की क्षमता में एक नया अध्याय है, जो अंतरराष्ट्रीय खेलों के केंद्र के रूप में देश की स्थिति को और मजबूत करता है.

खेल एवं युवा मामलों की राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा खडसे भी डॉ. मंडाविया के साथ एथलीटों से मिलने और बातचीत करने में शामिल हुईं. स्थानीय आयोजन समिति, भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) और खेल मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी भी निरीक्षण में शामिल हुए.

डॉ. मंडाविया ने स्टेडियम का विस्तृत दौरा किया, जिसमें मान्यता केंद्र, चिकित्सा केंद्र, नवनिर्मित वार्मअप और मुख्य मोंडो ट्रैक जैसे क्षेत्र शामिल थे, जिसका उन्होंने 29 अगस्त, 2025 को उद्घाटन किया था. चैंपियनशिप के दौरान यह ट्रैक 100 से अधिक देशों के दुनिया के कुछ बेहतरीन पैरा-एथलीटों की मेजबानी करेगा. मेजबान देश से कुल 73 पैरा-एथलीट शीर्ष स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे.

निरीक्षण के दौरान डॉ. मंडाविया ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए एक विश्वसनीय स्थल के रूप में उभरा है. उनका यह विश्वास कि विश्व एक परिवार है - वसुधैव कुटुम्बकम - हमें दुनिया भर के एथलीटों को भारतीय धरती पर एक साथ लाने के लिए प्रेरित करता है.

> उन्होंने आगे कहा, 100 से अधिक देशों की भागीदारी के साथ, यह न केवल भारत द्वारा आयोजित अब तक का सबसे बड़ा पैरा-एथलेटिक्स आयोजन है, बल्कि हमारी क्षमता, समृद्ध संस्कृति और खेलों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है. हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक पैरा-एथलीट विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचे का अनुभव करे और विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पूर्ण समर्थन महसूस करे. पेरिस पैरालंपिक पदक विजेता शरद कुमार सहित पैरा-एथलीट भी मोंडो ट्रैक पर सिमरन शर्मा और प्रीति पाल के साथ अभ्यास करते हुए मौजूद थे.